विप्र कला-वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय

जी. ई. रोड, रायपुर (छ.ग.)

पंजीयन क्र. 17951

"विप्रारोह"

Monthly E-Bulletin September 2022

मासिक अंक सितम्बर २०२२

धर्म और कर्म के लिए मानसिक और शारीरिक शक्ति योग के माध्यम से ही प्राप्त - ज्योतिर्मयानंद महाराज जी

सामाजिक सहभागिता के अंतर्गत नेवनारा में योगाभ्यास का आयोजन

8 जुलाई छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय द्वारा पूज्य ब्रम्हचारी श्री ज्योतिर्मयानन्द महाराज जी (श्रीमुख, सपाद लक्षेश्वर धाम आश्रम सलधा) के सानिध्य में एवं माननीय श्री ज्ञानेश शर्मा (अध्यक्ष, योग आयोग छत्तीसगढ़) के मुख्य आतिथ्य में सामाजिक सहभागिता के अंतर्गत चंडी आश्रम नेवनारा में स्वस्थ जीवन के लिए योग थीम पर "योग- अभ्यास" का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि के रुप में श्री मिश्रीलाल पांडे (सचिव योग आयोग) छत्तीसगढ़ भी उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता किसान नेता योगेश तिवारी ने किया। इस अवसर पर श्री ज्योतिर्मयानंद महाराज जी ने अपने आशीष वचन में कहा कि धर्म अनुकूल कर्म करने के लिए शारीरिक और मानसिक शक्ति योग के माध्यम से ही प्राप्त होता है। योग का अर्थ है, प्रकृति से, परिस्थिति से, दुख से, सुख से, जुड़ना। शारीरिक और मानसिक रुप से हर परिस्थिति का सामना योग के माध्यम से ही हो सकता है। अतः अपने जीवन में सार्थक लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रत्येक युवा को योग को अपने दैनिक दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। ज्ञानेश शर्मा ने कहा कि ग्रामीण परिवेश योग के लिए अच्छा है। इसका लाभ उठाते हुए ग्रामीणों को योग के माध्यम से स्वस्थ रहते हुए आदर्श गांव की परिकल्पना को सार्थक करना चाहिए। योगेश तिवारी ने बताया अति शीघ्र ही नेवनारा में तीन दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया जाएगा और इसके बाद नियमित रुप से यहां योगाभ्यास होगा। इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत करते हुए आचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने बताया कि 2002 से ही योग का कोर्स विप्र महाविद्यालय में संचालित हो रहा है। वर्तमान परिवेश में योग का महत्व बढ़ गया है। इसके पूर्व योगाभ्यास योगाचार्य डॉ. रंजना मिश्रा ने कराया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिव्या शर्मा ने किया। जागरुकता के लिए योग -अभ्यास में महाविद्यालय के छात्र सहित ग्रामीण क्षेत्र के नागरिक शामिल हुए।

संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों का उपयोग कर प्रत्येक महिला खुद को काबिल बनाएं -वेणुधर रौतिया

महिला समानता विषय पर व्याख्यान

26 अगस्त. छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में महिला समानता दिवस के अवसर पर बालिका समस्या निवारण प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. वेणुधर रौतिया (सहायक प्राध्यापक विधि अध्ययन शाला विभाग पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर) ने अपने व्याख्यान में संविधान द्वारा महिलाओं को प्रदत्त अधिकारों की व्याख्या करते हुए कहा कि प्रत्येक महिला को अपने अधिकारों की जानकारी होना चाहिए । ताकि वह अपने विकास एवं संरक्षण के लिए अधिकारों का उपयोग कर सकें। प्रत्येक महिला खुद को सशक्त बना कर अपने परिवार, समाज और राष्ट्र को मजबूती प्रदान करे। इसके साथ परिवार समाज को भी अपने सोच में परिवर्तन लाना होगा, जैसे अंतर जाति विवाह वैधानिक है पर परिवार या समाज इसे स्वीकार नहीं करता। इस प्रकार के वैधानिक अधिकारों के प्रति परिवार और समाज को सकारात्मक नजरिया अपनाकर महिलाओं को समानता के साथ राष्ट्र के विकास के लिए अवसर प्रदान करना होगा। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. देवाशीष मुखर्जी (प्राचार्य महंत लक्ष्मीनारायण महाविद्यालय रायपुर ने इस अवसर पर महिलाओं के समानता और विकास के लिए शिक्षा को प्रमुख कारक बताया। उन्होंने कहा कि सन 1848 में सावित्री बाई फुले ने पहली बार महिला शिक्षा के लिए आवाज उठाई, आज भी भारत उसे प्रथम महिला शिक्षिका के रूप में याद करता है। विजय पंडित, सरोजिनी नायडू सहित अनेक महिलाओं ने शिक्षा के द्वारा महिलाओं के उत्थान और विकास के प्रयास किए। आज भी हमारे देश में 65% महिलाएं शिक्षित हैं और 82% पुरुष शिक्षित है। यही सबसे बड़ी खाई है, इस खाई को पाटकर ही हम महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार ,दायित्व प्रदान कर राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए तैयार कर सकते हैं। इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत करते हुए प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने बताया कि महिला समानता विषय पर भारतीय संविधान एवं अधिनियम की जानकारी प्रदान कर विद्यार्थियों को जागरुक करना कार्यक्रम आयोजन का उद्देश्य है। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रसिका मालवीय ने किया। इस अवसर पर समस्त प्राध्यापकों सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

सभी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में निजी महाविद्यालयों की भूमिका अहम - सत्यनारायण शर्मा

महंत लक्ष्मीनारायण दास एवं विप्र कॉलेज का संयुक्त आयोजन बारह दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम

7-21 सितम्बर छत्तीसगढ़ी युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय एवं महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय के शोध प्रकोष्ठ एवं आइ. क्यू.ए.सी. के संयुक्त तत्वाधान में बारह दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का उद्घाटन समारोह मुख्य अतिथि प्रोफेसर एस .के. पांडे (पूर्व कुलपति, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर) एवं समारोह के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा (अध्यक्ष ,छत्तीसगढ़ योग आयोग) के गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ । इस अवसर पर प्रोफेसर एस .के .पांडे ने कहा कि शिक्षा प्रदान करना पवित्र कार्य है और शिक्षा प्रदान करने की अपने सामर्थ्य में वृद्धि करने का प्रयास करते रहना और अधिक पवित्र कार्य है। शिक्षक में वैज्ञानिक स्वभाव और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का होना अति आवश्यक है और यह तभी संभव है जब वह लगातार खुद को अपडेट करता रहे, नवीन तकनीक और विज्ञान से परिचित रहे, शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर हो रहे परिवर्तन की जानकारी रहे। अर्थात वह हमेशा एक अच्छा विद्यार्थी और अच्छा शोधार्थी रहे , तभी वह प्रत्येक विद्यार्थी में वैज्ञानिक सोच, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और वैज्ञानिक स्वभाव जागृत कर सकता है। क्योंकि शिक्षक विद्यार्थी को बाहर से कुछ नहीं देता वह उसके प्रकृति प्रदत्त गुण या क्षमता को निखारने का कार्य कर सकता है। फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत प्राध्यापकों को इसके लिए प्रशिक्षित करना ही मूल उद्देश्य होना चाहिए। ज्ञानेश शर्मा ने दो निजी महाविद्यालय के संयुक्त आयोजन की नई पहल के लिए बधाई और शुभकामना देते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में जो निजी महाविद्यालय ईमानदारी से समर्पित होकर विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण का कार्य कर रही है, उन्हें निजी विश्वविद्यालय के चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है इसलिए निजी महाविद्यालयों को मिलकर इस प्रकार नई शिक्षा नीति के अनुरुप खुद को तैयार करने की आवश्यकता है। इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत करते हुए प्राचार्य डॉ.मेघेश तिवारी एवं डॉ. देवाशीष मुखर्जी ने बताया कि नैक के मापदंडों के अनुरुप फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत प्राध्यापकों को प्रशिक्षित करने का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए 12 दिन निरंतर विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। जिसमें कर्नाटक, बिहार, मध्यप्रदेश, वाराणसी तथा छत्तीसगढ़ के प्रबुद्ध विशेषज्ञ गण आमंत्रित किये गए हैं, जिसका लाभ दोनों कॉलेज एवं अन्य महाविद्यालयों के प्राध्यापक गण उठाएंगे।

दूसरे दिन विषय विशेषज्ञ डॉ. अजय कुमार गुप्ता (एनआईटी राउरकेला) ने गहन अधिगम में सूचना संचार तकनीक का उपयोग विषय पर विस्तार पूर्वक व्याख्या प्रस्तुत करते हुए कहा कि वर्तमान सूचना संचार तकनीक शिक्षा जगत के लिए वरदान है।

तीसरे दिन डॉ. चेतन कुमार हिरवानी (सहायक प्राध्यापक एनआईटी पटना बिहार) ने संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकार एवं शिक्षा का अधिकार विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया कि देश के प्रत्येक नागरिक को प्राप्त मौलिक अधिकारों का सही तरीके से उपयोग करने के लिए शिक्षित होना आवश्यक है। चौथे दिवस डॉ. एस. सेन गुप्ता (विभागाध्यक्ष लाइब्रेरी साइंस पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर) ने उच्च शिक्षा के लिए e-resources की उपयोगिता विषय पर सारगर्भित व्याख्यान देते हुए बताया कि एन लिस्ट, ईशोध सिंधु, पीजी पाठशाला, शोधगंगा, शोधगंगोत्री, ज्ञानकोष, नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी यह सब e-resources आज प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के लिए आसानी से उपलब्ध है।

पांचवे दिवस विषय विशेषज्ञ डॉ. राकेश ढांड (पूर्व छात्रअधिष्ठाता विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन) ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य मानव का कल्याण करना होता है। शिक्षा जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को निकट से स्पर्श करती है फिर भी दुनिया की आधी आबादी महिला वर्ग के प्रति उदासीन रहे और ये शिक्षा से वंचित रहे। परंतु वैदिक काल में भारतवर्ष में महिला शिक्षा अपने सर्वोच्च शिखर पर रही है। भारतीय समाज सदा ही समानता का पक्षधर है।

छठवें दिवस विषय विशेषज्ञ श्री कमल कुमार प्रधान (सहायक प्राध्यापक श्री रावतपुरा विश्वविद्यालय) ने उच्च शिक्षा में रैगिंग से विद्यार्थियों का नुकसान पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि रैगिंग का नकारात्मक प्रभाव से विद्यार्थियों का कैरियर खत्म हो जाता है। प्रशासन, प्राध्यापक और समाज द्वारा जागरुक रहकर विद्यार्थियों को सही सोच और अपने कैरियर पर फोकस रखकर इस प्रकार के बुरे कुरीतियों से बचा जा सकता है।

सातवें दिवस विषय विशेषज्ञ डॉ. राजेंद्र शुक्ला (सहायक प्राध्यापक दुर्गा महाविद्यालय रायपुर) ने विविधता लिए विद्यार्थियों के क्लासरुम के सफल संचालन एवं सीखने सिखाने की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न करने के उपाय बताते हुए कहा कि हमें अपने विद्यार्थी को जानना चाहिए। उनकी मनो स्थिति, उनकी समस्याओ से अवगत होने के लिए उनसे बातचीत करनी चाहिए।

आठवें दिवस डॉ. मधुलिका अग्रवाल (डीन फैकल्टी ऑफ कॉमर्स शहीद नंद कुमार पटेल शासकीय महाविद्यालय बिरगांव रायपुर)ने विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ के लिए प्राध्यापकों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो 2021 के नए आंकड़ों से पता चला कि पिछले वर्ष भारत में 13000 से ज्यादा छात्रों ने आत्महत्या की। पूरे विश्व में मानसिक रोगियों की संख्या के आधार पर दुनिया भर में अवसाद दूसरी सबसे बड़ी समस्या है।

नवें दिवस डॉ. पद्मा बोहरे (प्राध्यापक पं. हरिशंकर शुक्ल महाविद्यालय, रायपुर) ने विद्यार्थियों के व्यवस्थित आंकलन एवं मूल्यांकल विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

दसवें दिवस विषय विशेषज्ञ डॉ. मेघा खंडेलवाल (सहायक प्राध्यापक गणित विभाग केंद्रीय विश्वविद्यालय कर्नाटक) ने शिक्षकों के लिए संप्रेषण व नेतृत्व कौशल का महत्व विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि शिक्षकों में संप्रेषण कौशल ऐसा हो जो रचनात्मकता, सकारात्मकता के साथ विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने का कार्य करें।

ग्यारवे दिवस विषय विशेषज्ञ डॉक्टर अंजलि अवधिया (प्राध्यापक भौतिक विभाग शा. नागार्जुन पी.जी. साइंस कॉलेज रायपुर) ने नई शिक्षा नीति में पर सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए बताया कि रुचि के अनुसार विद्यार्थी विज्ञान के साथ कला या अन्य विषय का चयन कर सकता है।

बारहवें दिवस समापन समारोह मुख्य अतिथि श्री सत्यनारायण शर्मा (पूर्व शिक्षा मंत्री छ.ग. शासन एवं विधायक, रायपुर) कार्यक्रम अध्यक्ष श्री ज्ञानेश शर्मा (अध्यक्ष योग आयोग छ.ग.), विशिष्ट अतिथि श्री अजय तिवारी (अध्यक्ष शिक्षा प्रचारक समिति छ.ग.), डॉ. अमिताभ बैनर्जी (प्राचार्य शास. जे. योगानन्दम् छत्तीसगढ़ महाविद्यालय, रायपुर) एवं अनिल तिवारी (सचिव शिक्षा पचारक समिति छ.ग.) की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर सत्यनारायण शर्मा ने कहा कि सभी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना सिर्फ शासकीय महाविद्यालयों के माध्यम से संभव नहीं है। इसमें निजी महाविद्यालयों की भूमिका भी अहम है। अतः इस महत्वपूर्ण भूमिका निर्वहन के लिए उच्च शिक्षा के लिए अनुकूल वातावरण का निर्माण एवं प्राध्यापकों को नवीन शिक्षण कला से प्रशिक्षण करना भी आवश्यक है । डॉ. अमिताभ बैनर्जी ने शिक्षण संस्थाओं के उन्नयन एवं प्राध्यापकों के शिक्षण कला में विकास के लिए फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम को आवश्यक बताया। ज्ञानेश शर्मा ने कहा कि विप्र कॉलेज एवं महंत कॉलेज के सहभागिता से आयोजित यह कार्यक्रम अन्य निजी महाविद्यालय के लिए प्रेरणा का कार्य करेगा। इस अंचल के समस्त निजी महाविद्यालयों को मिलकर नई शिक्षा नीति के अनुसार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा विद्यार्थियों को प्रदान करने के लिए इस प्रकार का आयोजन करना चाहिए जिससे निजी महाविद्यालयों का स्तर भी शासकीय महाविद्यालय के समकक्ष हो सके। इसमें प्राध्यापकों की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि उनके योग्यता ,समर्पण एवं निपुणता से ही निजी महाविद्यालय चुनौतियों और कठिनाइयों का सामना कर अपने लक्ष्य को सफलतापूर्वक पा सकते हैं। अजय तिवारी ने इस बात का समर्थन करते हुए कहा कि समस्त निजी महाविद्यालयों को अपनी समस्याओं से शासन को अवगत कराना चाहिए ताकि शासन के सहयोग से कमियों को दूर करके विद्यार्थियों को शिक्षित करने के लक्ष्य को हम प्राप्त कर सकें। सहभागिता से ही सबको शिक्षा सबका विकास संभव हो सकता है। इसके पूर्व विषय विशेषज्ञ डॉ. राजीव चौधरी (प्राध्यापक शारीरिक शिक्षा विभाग एवं विभाग अध्यक्ष विधि विभाग पंडित रविशंकर शुक्ल विश्व विद्यालय रायपुर) ने अपने व्याख्यान में बताया कि स्वस्थ रहने के लिए शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक स्वास्थ्य के साथ संवेगात्मक एवं आध्यात्मिक विकास की आवश्यकता होती है। प्राचार्य डॉ .मेघेश तिवारी ने बताया कि नैक के मापदंडों के अनुरुप फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत प्राध्यापकों के लिए नैक द्वारा निर्धारित विभिन्न विषयों पर विषय विशेषज्ञों का व्याख्यान नवीन शिक्षण तकनीक एवं नवीन शोध से परिचित होकर विद्यार्थियों को वर्तमान समय के मांग के अनुरुप शिक्षित करने की दिशा में पहला कदम है। प्राचार्य डॉ. देवाशीष मुखर्जी ने संयुक्त सहभागिता से उच्च शिक्षा के लिए शोध एवं विकास के प्रयास को आवश्यक बताया। फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का संक्षिप्त रिपोर्ट संयोजक डॉ. दिव्या शर्मा ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर दोनों महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक गण उपस्थित थे।

विद्या द्वारा विनय और पात्रता हासिल करना विद्यार्थी जीवन का लक्ष्य - डॉ. इंदुभवानंद जी महाराज

नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए अपना कॉलेज जानो के अंतर्गत साक्षरता कार्यक्रम एवं खिलाड़ी सम्मान समारोह

3 सितंबर. छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए अपना कॉलेज जानो के अंतर्गत साक्षरता कार्यक्रम एवं खिलाड़ी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि परम पूज्य आचार्य इंदुभवानंद जी महाराज (प्रमुख शंकराचार्य आश्रम बोरियाकला रायपुर) एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री ज्ञानेश शर्मा (अध्यक्ष योग आयोग छत्तीसगढ़) के गरिमामय उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ. इंदु भवानंद महाराज ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन जीने के लिए पहली सीढ़ी विद्या है। विद्या से विनय और पात्रता हासिल कर जीवन को सार्थक किया जा सकता है। विद्या हासिल होने पर ही गृहस्थ जीवन के लिए धन उपार्जन कर अपने दायित्व का निर्वहन किया जा सकता है।

विद्यार्थी जीवन में विद्या हासिल ना करने पर आगे का रास्ता कठिन हो जाता है। इसलिए सभी विद्यार्थियों को ब्रम्हचर्य का पालन करते हुए विद्यार्जन करना चाहिए। ज्ञानेश शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि सुख की प्राप्ति की इच्छा छोड़कर प्रत्येक विद्यार्थी को एकाग्रता और परिश्रम के साथ अध्ययन शील होना चाहिए। तभी वह अपना अलग पहचान बना सकता है और अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। मोबाइल आज हमारा सबसे बड़ा दुश्मन बन गया है, मोबाइल के दुरुपयोग से समय बर्बादी अपने जीवन के निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त नहीं करने देगा। अतः समय का महत्व को समझते हुए और आपके माता पिता ने अपनी मेहनत की कमाई का जो हिस्सा आप पर खर्च कर रहे हैं, उसे सार्थक करने के लिए विद्यार्थी को अपना पूरा समय विद्यार्जन में लगाना चाहिए। इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत करते हुए प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों के लिए महाविद्यालय के संसाधनों की जानकारी देते हुए उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सत्र 2021-22 में विश्वविद्यालय, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 52 खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र एवं बैग प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिव्या शर्मा ने किया। अपने-अपने विभागों की जानकारी विभाग अध्यक्ष डॉ. विवेक कुमार शर्मा, मोहित श्रीवास्तव, ज्ञानेंद्र भाई एवं डॉ. दिव्या शर्मा ने दिया। इस अवसर पर समस्त प्राध्यापकों सहित सभी नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित थे।

खेल दिवस के अवसर पर खेलकूद का आयोजन

रायपुर 29 अगस्त विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर में मेजर ध्यानचंद जी के जयंती राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में खेल - कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मेघेश तिवारी के मुख्य आतिथ्य एवं विवेक शर्मा के अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ । प्राचार्य महोदय ने खेल दिवस एवं खेल के महत्ता पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात अनेक प्रकार के खेलों का आयोजन हुआ जिसमें कबड्डी पुरुष में प्रथम स्थान मनोज प्रधान की शारिरिक शिक्षा की टीम रही द्वितीय स्थान बीपीएड तृतीय के छात्र एवं तृतीय स्थान पर बीपीएड प्रथम के छात्र रहे उसी प्रकार महिला कबड्डी में प्रथम शिल्पी कुमारी बीपीएड 3 सेम की टीम एवं द्वितीय स्थान पर अंजनी की टीम रही रस्साकस्सी पुरुष में प्रथम कम्प्यूटर विभाग के छात्र रहे द्वितीय स्थान पर बीपीएड 3 सेम के छात्र रहे रस्साकस्सी महिला में प्रथम शिल्पी कुमारी की टीम एवं द्वितीय स्थान पर अंजनी की टीम रही। कुर्सी दौड़ महिला में प्रथम स्थान रेशमा डुंगडुग बीपीएड, द्वितीय स्थान योगिता तिवारी ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कैलाश शर्मा ने किया। उक्त कार्यक्रम में सभी विभाग के छात्र छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया । कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. कैलाश शर्मा, डॉ मिलिंद भांदेव, ज्ञानेंद्र भाई, राजेश तिवारी एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के छात्र-छात्राओं का योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कैलाश शर्मा ने किया।

आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर जागरुकता रैली

4 अगस्त. छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर प्लास्टिक मुक्त भारत के लिए जागरुकता रैली का आयोजन किया गया। शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित रैली को विप्र कॉलेज के परिसर से रवाना करते हुए प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने कहा कि जागरुकता रैली तभी सार्थक होगा जब हम स्वयं प्लास्टिक के उपयोग बंद करके दूसरों को भी प्लास्टिक का उपयोग ना करने के लिए समझाएं। मानव जीवन को बचाना है, तो प्लास्टिक को त्यागना होगा। इसके बाद विद्यार्थियों और अध्यापकों ने मोहल्ले में रैली निकालकर नागरिकों को प्लास्टिक मुक्त भारत बनाने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों का नारा "सुरक्षित रहेगा हमारा परिवार जब प्लास्टिक का करेंगे हम बहिष्कार" गूंजता रहा। विद्यार्थियों के अपील पर नागरिकों ने भी प्लास्टिक का उपयोग ना करने का संकल्प लिया।

योग से शरीर और मन के बीच तालमेल से ही तनाव प्रबंधन संभव - प्रो. के. एल.वर्मा

योग विभाग का तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

28 सितंबर. छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में योग विभाग द्वारा तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन समारोह मुख्य अतिथि प्रोफेसर के.एल. वर्मा (कुलपति पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर) एवं कार्यक्रम अध्यक्ष श्री ज्ञानेश शर्मा (अध्यक्ष योग आयोग छत्तीसगढ़) की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रोफेसर के. एल. वर्मा ने कहा कि योग से शरीर और मन के बीच तालमेल से बाहरी दुनिया से तालमेल संभव होता है। जिससे विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा और परीक्षा की तैयारी को लेकर तनाव होता है नियमित योग करने से विद्यार्थी शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य प्राप्त करके सफलता प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर ज्ञानेश शर्मा ने कहा कि नियमित योग करने से असीमित ऊर्जा का संचार होता है तथा कुछ माह के निमित्त योग से ही अनुशासन एवं निर्णय लेने की क्षमता विकसित होता है। कोरोना ने हमें सिखाया की स्वस्थ रहने के लिए नियमित योग आवश्यक है। इसके बाद तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ डॉक्टर बृजेश नई दिल्ली ने आहार-विहार विचार और व्यवहार को योग द्वारा संतुलित रखकर स्वस्थ रहने के उपाय बताएं इसके उपरांत हिमाचल प्रदेश से कुमारी सुषमा कुमारी ने अष्टांग योग द्वारा तनाव मुक्ति के क्रिया की व्याख्या की। दूसरे दिन विषय विशेषज्ञ श्री जे. एल. गहरे (विभागाध्यक्ष दर्शन एव योग विभाग पंडित रविशंकर शुक्ला महाविद्यालय रायपुर) पतंजलि अष्टांग योग की व्याख्या करते हुए बताया कि अष्टांग योग के अनुसार जीवन शैली होने से ही तनाव मुक्ति संभव है। दूसरे व तीसरे दिन प्रायोगिक योग सत्र में रांची विश्वविद्यालय के डॉ. परणिता सिंह ने ध्यान के विशेष तकनीक द्वारा तनाव मुक्ति के उपाय बतायें।

तीसरे दिन समापन समारोह मुख्य अतिथि डॉ. पी. सी. चौबे (प्राचार्य शासकीय नागार्जुन विज्ञान महाविद्यालय रायपुर) एवं कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो. गिरीश कांत पांडे (पूर्व कुलसचिव पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. पी. सी. चौबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में हमारे लिए आवश्यक विषय पर आयोजित कार्यशाला से हम नियमित योग करने का संकल्प लें और अपने दैनिक दिनचर्या में शामिल करें, तो कार्यशाला अपने उद्देश्य में सफल माना जाएगा। ऋषि मुनि से हमें योग का एक सर्वोत्तम साधन प्राप्त हुआ है, जिससे हम अपने तनाव को समाप्त करके एकाग्रता और कार्यक्षमता में वृद्धि कर सकते हैं। आज विद्यार्थियों को अपने जीवन निर्माण के लिए या सफलता प्राप्त करने के लिए योग करना आवश्यक है। प्रो. गिरिशकांत पांडे ने इस अवसर पर कहा कि आज की जीवनशैली से हम सब तनाव में रहते हैं जिससे शारीरिक और मानसिक विकृति उत्पन्न होता है। योग के माध्यम से तनाव को नियंत्रित किया जा सकता है और शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य प्राप्त किया जा सकता है। इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत करते हुए प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने कहा कि कोरोना काल के बाद नियमित कक्षाओं का प्रारंभ होने से विद्यार्थियों और प्राध्यापकों को अपने तनाव नियंत्रित करके एकाग्रता के साथ अपना 100% देकर अध्ययन अध्यापन करने के लिए तैयार करना वर्कशॉप का उद्देश्य है। विषय विशेषज्ञों के शोध परख व्याख्यान से निश्चित ही समस्त प्रतिभागियों को लाभ प्राप्त हुआ होगा। योग आयोग छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा के निर्देश पर प्रतिदिन कक्षा का आरंभ योग के साथ करने के लिए महाविद्यालय परिवार ने संकल्प लिया है। इसके बाद अतिथियों ने शोधार्थियों एवं प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। अंत में शांति पाठ के साथ आभार प्रदर्शन संयोजक डॉ. रंजना मिश्रा ने किया। इस अवसर पर समस्त अध्यापकों एवं प्रतिभागियों सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

'B' GRADE ACCREDITED BY NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDIATION COUNCIL (NAAC) (10TH DEC' 2014 TO 09TH DEC' 2019)
Recognised by Higher Education, UGC and NCTE and Permanently Afiliated to Pt. Ravishankar Shukla, Raipur (C.G.)

✿ COMMERCE ✿ MANAGEMENT ✿ SCIENCE ✿ COMPUTER ✿ EDUCATION ✿ PHYSICAL EDUCATION ✿ YOGA

E-mail : vipracollge1996@gmail.com, Visit us : www.vipracollege.org

संपादक मण्डल :- डॉ. विवेक कुमार शर्मा, श्रीमती प्रणिता शर्मा, डॉ. कंचन मिश्रा, श्रीमती अपूर्वा शर्मा

विशेष सहयोग : एलुमनी एसोसिएशन, विप्र महाविद्यालय रायपुर